

[illegible]

संपादकीय

टीएमसी सांसद का विवादास्पद बयान

देश में जब भी कहीं कोई चुनाव होता है तो विभिन्न राजनीतिक दलों के बयानवीर नेता बोलवचन करने के लिए आगे आ जाते हैं। जनता से जुड़े मूल मुद्दों पर तो ये खामोशी अख्तियार कर लेते हैं लेकिन अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विवादास्पद बयानबाजी करने लगते हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं ऐसे में वहां न सिर्फ राजनीतिक हिंसा हो रही है बल्कि तुष्टिकरण की राजनीति के चलते विवादास्पद बयानबाजी का दौर भी शुरू हो गया है। टीएमसी सांसद कल्याण बेनजी ने करोड़ों हिन्दुओं के आरोध्य भगवान श्री राम और सीता माता को लेकर अत्यंत विवादास्पद बयान दिया है, उनके इस बयान से देश के करोड़ो हिन्दुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। राजनीति में एक दुसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए जाने से किसी को कोई आपत्ति नहीं है लेकिन तुष्टिकरण के लिए किसी धर्म विशेष के लोगों की भावनाओं पर आघात करना कतई उचित नहीं है, ये सारे नेता सिर्फ हिन्दुओं की भावनाओं पर ही कुठाराघात करते रहे हैं क्योंकि हिन्दु बहुसंख्यक होने के बावजूद स्वाभाव से सहिष्णु होता है। यदि ये बयानवीर नेता अन्य धर्मों के प्रति इस तरह के विवादास्पद बयानबाजी करे तो इनको दाल आटे का भाव पता चल जाएगा। बहरहाल उस बड़बोले टीएमसी सांसद कल्याण बेनजी के खिलाफ हिन्दु संगठनों द्वारा थाने में एकआईआर दर्ज करा दी गई है ऐसे बयानवीर नेताओं के खिलाफ चुनाव आयोग को भी कार्यवाही करनी चाहिए क्योंकि एकआईआर से कुछ होना नहीं है। बवाल होने पर ऐसे नेता खेद प्रकट कर देते है या फिर मीडिया के माथे पर तोहमत मढ़ देते है कि उसने उनके बयान को गलत ढंग से पेश किया है जबकि उनके कहने का आशय वह नहीं था जो बताया जा रहा है फिर भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो वे इसके लिए खेद व्यक्त करते हैं। इस तरह का बयान देकर वे अपनी जिम्मेदारी से बच निकलते हैं। ऐसे नेताओं के खिलाफ उनकी पार्टी भी कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं करती यदि कभी कभार किसी ऐसे बड़बोले के खिलाफ कोई छोटी मोटी कार्यवाही हो भी जाती है तो बहुत जल्द उन्हे आरोप मुक्त कर दिया जाता है। कायदे से जहर उगलने वाले ऐसे बयान वीरों को तो चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया जाना चाहिए।

विचार

दोनों मुठभेड़ से बचें



डॉ. वेदप्रताप वैदिक

जैसे कि कल मैंने अपने लेख में आशंका व्यक्त की थी, सरकार और किसानों के बीच सीधी मुठभेड़ का दौर शुरू हो गया है। आठवें दौर की बातचीत में जो कटुता बढ़ी है, वह दोनों पक्षों के आचरण में भी उतर आई है। करनाल और जालंधर जैसे शहरों से अब किसानों और पुलिस की मुठभेड़ की खबरें आने लगी हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि दिल्ली पर डटे हुए किसान संगठनों का भी धैर्य अब टूट जाए और वे भी तोड़-फोड़ पर उतार हो जाएं। यह अच्छा ही हुआ कि हरयाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्‌टर ने करनाल के एक गांव में आयोजित किसानों की महापंचायत के जलसे को स्थगित कर दिया। यदि वे जलसा करने पर अड़े रहते तो निश्चय ही पुलिस को गोलियां चलानी पड़तीं, किसान संगठन भी परस्पर विरोधियों पर हमला करते और भयंकर रक्तपात होता। लेकिन किसान संगठनों ने भी कोई कमी नहीं रखी। उन्होंने सभा-स्थल पर लगाए गए बैरिकेड तोड़ दिए, मंच को तहस-नहस कर दिया और जिस हेलीपैड पर मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर उतरना था, उसे ध्वस्त कर दिया। किसान नेता इस बात पर अपना सीना जबर पुला सकते हैं कि उन्होंने मुख्यमंत्री का भार भागया लेकिन वे यह क्यों नहीं समझते कि सरकार के पास उनसे कहीं ज्यादा ताकत है। यदि खट्‌टर की जगह कोई और मुख्यमंत्री होता तो पता नहीं आज हरयाणा का क्या हाल होता ? करनाल में किसानों के नाम पर किन्हीं भी तत्वों ने जो कुछ किया, क्या उसे किसानों के हित में माना जाएगा ? मुश्किल ही है। क्योंकि अभी तक किसानों का आंदोलन गांधीवादी शैली में अहिंसक और अनुशासित रहा है और उसने नेताओं को भी आदर्श व्यवहार सिखाया है लेकिन अब यदि ऐसी मुठभेड़ें बढ़ती गईं तो किसानों की छवि बिगड़ती चली जाएगी। यदि किसान नेता अपने धरनों और वार्ता के जरिए अपना पक्ष पेश कर रहे हैं तो उन्हें चाहिए कि वे सरकार को भी अपना पक्ष पेश करने दें। लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष को अपनी बात कहने की समान छूट होनी चाहिए। यह स्वाभाविक है कि कड़क की ठंड, आए दिन होनेवाली मौतों और आत्महत्याओं के कारण किसानों की बेचैनी बढ़ रही है लेकिन बातचीत के जरिए ही रास्ता निकालना ठीक है। यह समझ में नहीं आता कि सरकार भी क्यों अड़ी हुई है ? या तो रास्ता निकलने तक वह कानून को स्थगित क्यों नहीं कर देती या राज्यों को उसे लागू करने की छूट वह क्यों नहीं दे देती ?

टैक ज्ञान- SBI ने बताए सिक्वॉरिटी टिप्स

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर बैंक स्टेट बैंक ऑफ़इंडिया ने एक बार फिर ग्राहकों के लिए सिक्वॉरिटी टिप्स जारी किए हैं। एस्बीआई ने ग्राहकों को बताया है कि ATM कार्ड्स इस्तेमाल करने के दौरान उन्हें किन बातों को ध्यान रखना चाहिए। ट्रॉज़कशन को सिक्वॉर करने के लिए बैंक कड़े कसम उठा रहा है लेकिन स्कैमर्स ग्राहकों को फंसाने के लिए हर बार नए तरीके अपनाते हैं।

पाठकों की बात

राम मंदिर निर्माण

राम मंदिर निर्माण निधि संग्रह में ऐसे किसी भी छोटे से छोटे और बड़े से बड़े दान को स्वीकार करने से बचना चाहिये जिसे बाद में सेकुलरिज्म की मिशाल के रूप में दिखाया जाये ये मंदिर को हमने लड़कर कानूनी तरीके से जीता है सम्भव हो तो इसके साथ मन्दिर के संघर्ष और बलिदान का एक पर्चा हर घर दिया जाये आने वाली पीढ़ी किसी भी तरह के सेकुलरिज्म रुपी कोढ़ का शिकार न हो ये आवश्यक है।

अजय सरस्वती श्रीवास्तव

आह आह हहहहह

आह आह हहहहह और आह निकलती अनर की गहराई से। लेख लिखे ,रच दी कवितायें भाव रखे नरमाई से किन्तु न रचना छोपी कहीं भी, और न ही वापस आई, सपने चकना चूर हो गये, गूँथे जो चतुराई से।

- चंद्र लता यादव



प्रवीण गुगनानी

स्वामी विवेकानंद

आपने आराध्य के इन शब्दों से अभिभूत हो उठे और आपने गुरु के वचनों में सदा के लिए खो गए। स्वयं रामकृष्ण परमहंस भी विवेकानंद के आश्वासन को पाकर अभिभूत हो गए और उन्होंने अपनी मृत्युशैया पर अंतिम क्षणों में कहा- ‘मैं ऐसे एक व्यक्ति की सहायता के लिए हीसा ब्रह्म बार जन्म लेकर अपने प्राण व्योछावर करना पसंद करूंगा।’ जब1886 में पूज्य रामकृष्ण परमहंस ने अपना नश्वर शरीर त्यागा तब उनके 12 युवा शिष्यों ने संसार छोड़कर साधना का पथ अपना लिया, लेकिन स्वामी विवेकानंद ने दरिद्र-नारायण की सेवा के लिए एक कोने से दूसरे कोने तक सारे भारत का भ्रमण किया। उन्होंने देखा, देश की जनता गयानाक गरीबी से घिरी हुई है और तब उनके मुख से रामकृष्ण परमहंस के शब्द अनायास ही निकल पड़े- ‘भूखे पेट से धर्म की पूर्वा नहीं हो सकती।



श्याम सुंदर भाटिया

कश्मीरी केसर को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। ईरान की नागिन केसर ने भी बाजार में कदम रख दिए हैं। स्वाद और रंग में कश्मीरी केसर को चुनौती दे रही नागिन केसर मजबू 80 हजार रुपये किलो है। स्पेनिशन केसर भी गया विकल्प बनकर तैयार है। ये 1.35 लाख रुपये की एक किलो है। केसर के पौधों में अवदुब के पहले सप्ताह में फूल आने शुरू हो जाते हैं। नवंबर में यह फसल तैयार हो जाती है। भारत में केसर की सालाना मांग करीब 100 टन है, लेकिन हमारे देश में इसका औषध उत्पादन करीब छह-सात टन ही होता है। ऐसे में हर साल बड़ी मात्रा में केसर का आयात करना पड़ता है। जम्मू-कश्मीर में करीब 2,825 हेक्टेयर में केसर की खेती हो रही है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया



..खास पाती.. अना में जलो ये मुनासिब नहीं

अना में जलो ये मुनासिब नहीं है खुदी में रहो ये मुनासिब नहीं है सफ़र में नहीं साथ दे कोई फिर भी अकेले चलो ये मुनासिब नहीं है सज़ा जो भी देनी है बेछोफ़दो, पर परया कहां ये मुनासिब नहीं है जुवां से न निकली कभी आह, लेकिन सितम यूँ सहां ये मुनासिब नहीं है बहुत चल लिये, अब चलो थोड़े रुक कर नदी से बहो ये मुनासिब नहीं है किसीका नहीं साथ देना, तो कह दो बहाने करो ये मुनासिब नहीं है बहुत दूर तेरी है मंज़िल अभी तो ज़रा भी रुको ये मुनासिब नहीं है। - सुरेश पसारी

सबकी किस्मत में क्या आज हैं

सबकी किस्मत में क्या आज हैं बेटियाँ मूल बेटे हैं तो ब्याज हैं बेटियाँ सबने रौंदा इन्हें मनमुताबिक़ मगर बन के उभरी वो अमवाज हैं बेटियाँ गुँगा जिनको किया धर्म के नाम पर आज उसकी ही मेराज हैं बेटियाँ मुल्क आज़ाद हैं कैद इनको मगर चाहती अब भी सौराज हैं बेटियाँ जिनको कौंधे न चढ़ने दिया बाप ने उसके सर का बनी ताज हैं बेटियाँ 'भवि' की कोशिश यही अब न हो मुल्क में बात ऐसी कि मुहताज हैं बेटियाँ। - शुचि 'भवि'

क्यों सब रिश्ते पल पल छलते

क्यों सब रिश्ते पल पल छलते ? दिल ने जिनसे नाता जोड़ा उन रिश्तों को नित ही सींचा वो बेगाना...हमको कहते... क्यों सब रिश्ते पल पल छलते ? आस जगा कर अपनपन की उम्मीदे तोड़ी इस मन की इत उन नैन बरस ये पड़ते क्यों सब रिश्ते पल पल छलते ? उम्र नहीं अब ज्यादा बाक़ी काश समझते तुम ये साथी जीवन के घटते ये लखें.. उस पर रिश्ते पल पल छलते ! क्यों सब रिश्ते पल पल छलते ? - ममता लड़ीवाल

स्वामी विवेकानंद : भारत के विश्वपुरुष

स्वामी विवेकानंद जी ने भारत को व भारतत्व को कितना आत्मसात कर लिया था यह कविवर रविन्द्रनाथ टैगोर के इस कथन से समझा जा सकता है जिसमें उन्होंने कहा था कि 'यदि आप भारत को समझना चाहते हैं तो स्वामी विवेकानंद को संपूर्णतः पढ़ लीजिये'। नोबेल से सम्मानित फ़्रंसीसी लेखक रोमां रोलां ने स्वामी जी के विषय में कहा था 'इन्हें उनके द्वितीय होने की कल्पना करना भी असंभव है वे जहां भी गये, सर्वप्रथम ही रहे. प्रत्येक व्यक्ति उनमें अपने मार्गदर्शक व आदर्श को साक्षात पाता था। वे ईश्वर के साक्षात प्रतिनिधि थे व सबसे घुल मिल जाना ही उनकी विशिष्टता थी। हिमालय प्रदेश में एक बार एक अनजान यात्री उन्हें देख ठिठक कर रुक गया और आश्चर्यपूर्वक चिल्ला उठा- 'शिव !'। यह ऐसा हुआ मानो उस व्यक्ति के आराध्य देव ने अपना नाम उनके माथे पर लिख दिया हो।'

ज्ञानपिपासु और घोर जिज्ञासु नरेन्द्र का बाल्यकाल तो स्वाभाविक विद्याओं और ज्ञान अर्जन में व्यतीत हो रहा था किन्तु ज्ञान और सत्य के खोजी नरेन्द्र अपने बाल्यकाल में अचानक जीवन के चरम सत्य की खोज के लिए छटपटा उठे और वे यह जानने के लिए व्याकुल हो उठे कि क्या सृष्टि नियंता जैसी कोई शक्ति है जिसने लोहा ईश्वर करते हैं? सत्य और परमज्ञान की यही अनवरत खोज उन्हें दक्षिणेश्वर के संत श्री रामकृष्ण परमहंस तक ले गई और परमहंस ही वह सच्चे गुरु सिद्ध हुए जिनका सान्निध्य और आशीर्वाद पाकर नरेन्द्र की ज्ञान पिपासा शांत हुई और वे सम्पूर्ण विश्व के स्वामी विवेकानंद के रूप में स्वयं को प्रस्तुत कर पाए।

स्वामी विवेकानंद एक ऐसे युगपुरुष थे जिनका रोम-रोम राष्ट्रभक्ति और भारतीयता से सराबोर था। उनके सारे चिंतन का केंद्रबिंदु राष्ट्र और राष्ट्रवाद था। भारत के विकास और उथान के लिए अद्वितीय चिंतन और कर्म इस तेजस्वी संन्यासी ने किया। उन्होंने कभी भी राजनीति में भाग नहीं लिया किंतु उनके

कर्म और चिंतन की प्रेरणा से हजारों ऐसे कार्यकर्ता तैयार हुए जिन्होंने राष्ट्र रथ को आगे बढ़ाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इस युवा संन्यासी ने निजी मुक्ति को जीवन का लक्ष्य नहीं बनाया था। बल्कि करोड़ों देशवासियों के उथान को ही अपना जीवन लक्ष्य बनाया। राष्ट्र ही इसके दीन-हीन जनों की सेवा को ही वह ईश्वर की सच्ची पूजा मानते थे। सेवा की इस भावना को



उन्होंने प्रबल शब्दों में व्यक्त करते हुए कहा था-‘भले ही मुझे बार-बार जन्म लेना पड़े और जन्म-मरण की अनेक यातनाओं से गुजरना पड़े लेकिन मैं चाहूंगा कि मैं उसे एकमात्र ईश्वर की सेवा कर सकूँ, जो असंख्य आत्माओं का ही विस्तार है। वह और मेरी भावना से सभी जातियों, वर्गों, धर्मों के निर्धनों में बसता है, उनकी सेवा ही मेरा अभीष्ट है।'

सवाल यह है कि स्वामी विवेकानंद में राष्ट्र और इसके पीड़ितजनों की सेवा की भावना का उद्गम क्या था? क्यों उन्होंने निजी मुक्ति से भी बढ़कर राष्ट्रसेवा को ही अपना लक्ष्य बनाया। अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस से प्रेरित स्वामी विवेकानंद ने साधना प्रारंभ की और परमहंस के जीवनकाल में ही समाधि प्राप्त कर ली थी किंतु विवेकानंद का इस राष्ट्र के प्रति प्रारब्ध कुछ और ही था

इसलिए जब स्वामी विवेकानंद ने दीर्घकाल तक समाधि अवस्था में रहने की इच्छा प्रकट की तो उनके गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस ने उन्हें एक महान लक्ष्य की ओर प्रेरित करते हुए कहा- ‘मैंने सोचा था कि तुम जीवन के एक प्रखर प्रकाश पुंज बनोगे और तुम हो कि एक साधारण मनुष्य की तरह व्यक्तिगत आनंद में ही डूब जाना चाहते हो, तुम्हें संसार में महान कार्य करने हैं, तुम्हें मानवता में

प्रचार करना कि वे रामकृष्ण परमहंस के विचारानुसार सच्चे मानव बन सकें।

वास्तव में विवेकानंदजी ने रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन नाम से दो पृथक संस्थाएं गठित कीं यद्यपि इन दोनों संस्थाओं में परस्पर नीतिगत सामंजस्य था तथापि इनकें उद्देश्य भिन्न किन्तु पूरक थे। रामकृष्ण मठ समर्पित संन्यासियों की श्रृंखला तैयार करने के लि?ए थी जबकि दूसरी रामकृष्ण मिशन जनसेवा की गतिविधियों के लिए थी। वर्तमान में इन दोनों संस्थाओं के विश्वभर में सैकड़ों केंद्र हैं और ये संस्थाएं शिक्षा, चिकित्सा, संस्कृति, अध्यात्म और अन्यान्य सेवा प्रकल्पों के लिए विश्वव्यापी व प्रख्यात हो चुकी हैं।

शिकागो संभाषण के द्वारा सम्पूर्ण विश्व को भारत के विश्वगुरु होने का दृढ़ सन्देश दे चुके स्वामी जी को पश्चिमी मीडिया जगत +साइबोलॉनिक हिन्दू- के नाम से पुकारने लगा था। इन महान कार्यों के स्थापना के बाद स्वामी केवल पांच वर्ष ही जीवित रह पाए और मात्र चालीस वर्ष की अल्पायु उनका दुखद निधन हो गया किन्तु इस अल्पायु के जीवन में उन्होंने सदियों के जीवन को क्रियान्वित कर दिया था। इस कार्य यज्ञ हेतु उन्होंने सात बार सम्पूर्ण भारत का भ्रमण किया था और पाया था कि जनता गहन अंधकार में भटकई हुई है। उन्होंने भारत में व्याप्त दो महान बुराइयों की ओर संकेत किया, पहली महिलाओं पर अत्याचार और दूसरी जातिवादी विषयों की चक्की में गरीबों का शोषण, उन्होंने देखा कि कोई नि?यति के चक्र से एक बार निम्न जाति में पैदा हो गया तो उसके उथान की कोई आशा नहीं रखती थी। उस समय तो निम्न जाति के लोग उस समय सड़क से गुजर भी नहीं सकते थे जिससे उच्च जाति के लोग आते-जाते थे। स्वामीजी ने जाति प्रथा कि दें इस भीषण दुर्दशा को देखकर आर्त स्वर में कहा था- ‘आह! यह कैसा धर्म है, जो गरीबों के दुख दूर न कर सके।’

केसर की सुगंध से महका कश्मीर

सच मानिए, कश्मीरी आतंकवाद ने केसर की खुशबू को भी कैद कर रखा था। धारा 370 हटने के करीब डेढ़ साल बाद अब केसर की सुगंध भी आजाद होने लगी है,

क्योंकि आखिरकार टेरिस्ट टैक्स अलविदा हो गया है। तीन दशक में पहली बार दिल्ली समेत दीगर सुबों के केसर कारोबारी घाटी तक जाकर केसर के सौदे कर रहे हैं। टेरिस्ट टैक्स तकरीबन खत्म होने से केसर की कीमतें ऐतिहासिक रूप से घट गई हैं। ढाई लाख रुपए किलो बिकने वाला केसर 90 हजार के दाम तक आ गया है। देश में केसर का उत्पादन केवल कश्मीर में होता है। दुनियाभर में कश्मीरी केसर सर्वोत्तम मानी जाती है। इसके रंग और खुशबू का जलवा भारत के अलावा, यूरोप, अमेरिका, अरब मुल्क हर कहीं है। अस्सी के दशक से घाटी में आतंकी लगातार खून की होली खेल रहे थे, लिहाजा केसर भी जख्मी होकर रह गई थी। आतंकियों को भारी चोथ दिए बगैर केसर कारोबार नहीं होता था। ऐसे में किसी बाहरी कारोबारी के लिए यह कतई संभव नहीं था, वह कश्मीर में आकर खरीद-फरोख्त की हिम्मत जुटा सके। केवल कश्मीरी कारोबारी के माध्यम से ही केसर घाटी से बाहर निकलती थी। केसर की खेती जम्मू-कश्मीर के बडगाम, पुलवामा, श्रीनगर और किश्तवाड़ में होती है। करीब 35 हजार कश्मीरी इसकी खेती से जुड़े हैं। ये चारों ही जिले आतंकवाद से बुरी तरह प्रभावित रहे हैं। यहाँ पैदा होने वाली केसर पर आतंकी अपना टैक्स वसूलते थे और रेट तय करते थे, इसीलिए केसर के भाव आसमां पर थे। जम्मू-कश्मीर का फिर से झंडा थामने की चाह रखने वालों खासकर गुपकार संगठन के लीडर्स के लिए भले ही 370 हटना अभिशाप साबित हो रहा हो, लेकिन केसर की खेती वाले हजारों धरतीपुत्रों के लिए

यह किसी वरदान से कम साबित नहीं हो रहा है। आतंकियों के गहरे और टेरिस्ट टैक्स की वजह से केसर का भाव 2.25 लाख से 2.50 लाख रुपये किलो सामान्य



तौर पर रहता था। लॉकडाउन के दौरान केसर इस भाव में बिक रही थी। नवरात्र में केसर 1.75 लाख रुपये में आ गिरा। दिसंबर के तीसरे हफ्ते से पहली बार केसर 90 हजार रुपये प्रति किलो आ गई। आतंकी फंड के कारण केसर के रेट अनाप-शनाप थे। मोलभाव करना गुनाह था। अब हालात बदले तो केसर का वास्तविक व्यापार प्रारंभ हो गया है, जिसका सीधा-सीधा असर भाव पर पड़ा है। केसर कारोबारी मानते हैं, पहले केसर कई चैनल को पार करते हुए उनके पास पहुंचता था। इस साल माल का सौदा सीधे कार्तकारों से हो रहा है।

केसर की फसल भी अच्छी है और घाटी में दूसरे प्रदेशों के बिजनेसेमनों की भी बिना रोक-टोक आवाजाही हो रही है। घाटी की फिज़ा में यह शुभ संकेत है। केसर की खेती को लेकर केंद्र शासित प्रदेश भी संजीदा है। जम्मू-कश्मीर के एलजी श्री मनोज सिन्हा ने केसर के खेतिहर और देश की करोड़ों -करोड़

अवाम को बड़ी सौगत दी है। कश्मीरी केसर अब आसानी से आम भारतीयों तक पहुँच सकेगा। केसर के सबसे बड़े उत्पादक इस केंद्र शासित प्रदेश ने केसर की फर्मिंग और ट्रेडिंग की खातिर जीआई टैगिंग-बढ़ू इन्हदइन्हदू की सहूलियत प्रारंभ कर दी है। इस नई तकनीक के जरिए इसकी पैदावार से लेकर बेचने तक की सारी सुविधा मुहैया होगी। कहने का अभिप्राय यह है, कश्मीरी केसर को अब देश की सभी मंडियों में पहुंचने के लिए ई-मार्केटिंग का श्रीगणेश हो गया है। इस वेबसाइट पर केसर की फसल का पूरा रिकॉर्ड रहेगा। इससे केसर के कार्तकार सीधे मंडियों के सम्पर्क में रहेंगे और बिचौलियों की दाल नहीं गलेगी। इस वेबसाइट के जरिए देश का कोई भी आदमी कश्मीरी केसर की कीमत 3 लाख से लेकर 5

लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक है। किसानों को माल बेचने के लिए बिचौलियों को कमीशन देना पड़ता था, जो धारा-370 की समाप्ति के बाद बीते कल की बात हो गई है। जम्मू-कश्मीर के 200 से अधिक गांव के हजारों किसान इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। साल 2014 में बाढ़ आने के बाद से ही और पथरबाजी की घटना के बाद राज्य के किसानों ने केसर की खेती छोड़ दी थी, लेकिन सरकार के ठोस आश्वासन और घाटी में बदली-बदली फिज़ा के बाद धरतीपुत्र फिर से केसर की खेती में रम गए हैं। दुनिया में केसर की सबसे ज्यादा पैदावार ईरान में होती है। इसके बाद जम्मू-कश्मीर का नंबर आता है। यह लोगों के लिए यह अमृत के समान है, इसीलिए इसे लाल सोना भी कहते हैं। भारत में केसर को कई नामों से जाना जाता हैउ कहीं कुकुम तो कहीं जाफ़ान तो कहीं सैफ़ोन कहा जाता है. दुनिया में केसर की कीमत इसकी क़ालिटी पर आंकी जाती है। दुनिया के बाजारों में कश्मीरी केसर की कीमत 3 लाख से लेकर 5 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक है।

QUIZ TIME

- कोष्ठा जाति द्वारा कोसे का कपड़ा तैयार किस जिले में किया जाता है?
- छतीसगढ़ में उत्पन्न की जाने वाली प्रमुख सिगरेटें बिस्टल तथा पनामा हैं, बताइए बिस्टल कवर्न बनायी जाती है?
- साउथ ईस्टर्न कोल फ़िल्डस् लिमिटेड कवर्न है?
- धनका किस जनजाति की उप जनजाति है?
- छतीसगढ़ के किस व्यक्तित्व को वर्ष 2019 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है?



Ramaquız

झाडाजानुव (५)
प्राइड (४)
अभिजाजुषु (६)
अधिराट (७)
अभरत (1)
-आभाअभरत

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)।1665 - फ्रांस के गणितज्ञ पियरडी फर्मा का निधन हुआ। उन्होंने गणित से संबंधित कई नियम बनाए जो उन्हीं के नाम से जाने जाते हैं। 1701 - नीदरलैंड में ग्रेगोरियन कैलेंडर को अपनाया गया। 1708 - शाहू जी को मराठा शासक का ताज पहनाया गया। 1748 - अहमद शाह दुराणी ने लाहौर पर कब्जा किया। 1863 - आध्यात्मिक गुरु एवं पश्चिम देशों में योग को पहुंचाने वाले स्वामी विवेकानंद का जन्म। 1895 - नेशनल ट्रस्ट ब्रिटेन में स्थापित किया गया। 1908 - पेरिस स्थित एफ़िल टॉवर से पहली बार लंबी दूरी का वायरलेस संदेश भेजा गया। 1911 - रूस के वियन शहर में भूकंप आने से 250 से ज्यादा लोग मारे गए। 1915 - संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि मंडल ने

महिलाओं को वोट देने का प्रस्ताव खारिज किया। 1916 - न्यूयॉर्क नौसेना यार्ड में अमेरिकी नौसेना के पनडुब्बी यूएसएस ई -2 पर एक विस्फोट में चार सैनिक मारे गए। 1942 - जपान ने तारकन की लड़ाई जीती। 1948 - महात्मा गांधी ने सांप्रदायिक हिंसा के विरुद्ध अनशन में बैठने का फैसला किया। 1954 - आस्ट्रिया में हिमस्खलन में 200 से अधिक लोग मारे गए। 1964 - भारत के पूर्व गेंदबाज बापू नाडकर्णी ने मद्रास में इंग्लैंड के साथ पहले टेस्ट में लगातार 21 ओवर मेडन फेंके। यह अब तक रिकॉर्ड है। 1970 - बायफ़्न ने नाइजीरियाई नागरिक युद्ध को समाप्त किया। 1984 - स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन के मौके पर हर वर्ष देश में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने की घोषणा की गयी।

सुरक्षित नहीं होगा बल्कि यह स्टेकहोल्डरों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगी तथा हमारे व्यावसायिक प्रयासों में अधिक पारदर्शिता आएगी।। यह नई ई आर पी प्रणाली भविष्य की डिजिटल पहलों के लिए अनर्थक महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न हुई अतिरिक्त चुनौतियों के बावजूद गो-लाइव को 21 माह में पूर्ण कर लिया गया।

[illegible]

**कार्यालय, नगर पालिक
निगम, जोन क्र. 5 रायपुर**
ईमेल: भाडा, पानी टंकी, रायपुर (छ.ग.)
ph.No. 0771-40455819 Email mczon5@gmail.com

**ईशतहार/आधिपत्य
हस्तांतरण की सूचना**

नामांतरण प्र.क्र. 291 दिनांक 09.01.21
बाई का नाम बाई- ठगुर पयलत-40
पुनरा द्वारा सूचित किया जाता है कि
बाई-40 स्थित नमन RPR569N00273
जो कि निगम अभिलेख में, 1 गुरुप्रती
सिंह अजनामी पिता श्री कुलदीप सिंह
अजनामी 2. अश्वरत्न सिंह अजनामी पिता
श्री कुलदीप सिंह अजनामी के नाम से दर्ज है
जिसको श्री किशोर जेठ श्रा श्री अमरचंजी
जेठ ने रजिस्ट्री लिखित द्वारा श्रागुरुप्रती
अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक
निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के
हहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।
यदि कोई व्यक्ति/व्यवसाय उपरोक्त स्थानालि
परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस
प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर प्रकरण क्रमांक
सहित लिखित आवेदन प्रस्तुत करेंगे। अन्यथा
समयावधि पर पञ्चाय किंसी भी प्रकार की कोई
सुनवाई नहीं की जायेगी।

**जोम कामिश्नर
जोम क्रमांक-5
नगर पालिक निगम, रायपुर**

म विभाग,
ता
ण मंडल
रायपुर (छ.ग.)
ना
gstate.gov.in
21 महासमुद्र दिनांक 08.01.2021
गार्डन विविदाए आमंत्रित की जाती है :
ललाशय योजना के दूरी एवं बांकी
02 नग पक्के कार्यों का परम्पत,
ट का निर्माण कार्य।

कोयालय नगर पालिक निगम, रायपुर

नगर निगम मुख्यालय, राय मंदिर के पास, गांधी चौक, छोटापाटा, रायपुर (छ.ग.)

Pho.no. 0771-2553780-90 Fax 0771-72227395, E mail- dc_rmc@rediffmail.com

क्रमांक 2055/भ.नि.अ.प्र./न.पा.नि./2021

रायपुर, दिनांक 08/01/2021

// आम सूचना //

सर्वनाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेसर्स संभवनाथ डेवलपर्स द्वारा श्री विकास पराख, अविनाश हाउस, मारुति बिजनेस पार्क, जी.ई. रोड रायपुर छ.ग. को आम कानूनी प.ह.नं. 43, स्थित खसरा क्र. 430/4 रकबा 0.009 हे., ख.क्र.438/1 रकबा 0.044 हे., ख.क्र. 439 रकबा 0.219 हे., ख.क्र. 440 रकबा 0.547 हे., ख.क्र. 441/1 रकबा 0.025 हे., ख.क्र. 441/2 रकबा 0.096 हे., ख.क्र. 443 रकबा 0.121 हे., ख.क्र. 444 रकबा 0.267 हे., ख.क्र. 446/1 रकबा 0.112 हे., ख.क्र. 447/1, रकबा 0.194 हे., ख.क्र. 447/3, रकबा 0.701 हे., ख.क्र. 447/4 रकबा 0.668 हे., ख.क्र. 454/1 रकबा 0.075 हे., ख.क्र. 455/1 रकबा 0.003 हे., ख.क्र. 455/2 रकबा 0.159 हे. कुल रकबा 3.250 हेक्टेयर (32500 वर्गमीटर) में से नेट प्लानिंग एरिया 28916.04 वर्गमीटर भूमि पर आवासीय (भूखण्डीय) कालोनी में विकास कार्य प्रारंभ करने हेतु कालोनी विकास अधिनियम 1974 की जा रही है। उक्त कालोनी में आर्थिक विकास कार्य पूर्ण करने के एवज में निम्नानुसार बंधक रखे गए भूखण्डों व समाज के निम्न आय वर्गों हेतु आरक्षित भूखण्डों का पी.पी.आर. विवरण आम लोगों की जानकारी हेतु दी जा रही है। जो निम्नानुसार है -

अ) बंधक भूखण्डों का विवरण :-

क्र.	भूखण्ड क्र.	संख्या	रकबा प्रति भूखण्ड
1	भूखण्ड क्र. B23	1	392.00 Sqm.
2	भूखण्ड क्र. C49	1	351.68 Sqm.
3	भूखण्ड क्र. C51	1	670.00 Sqm.
4	भूखण्ड क्र. C52	1	670.00 Sqm.
5	भूखण्ड क्र. C53	1	670.00 Sqm.
योग		5	2753.68 Sqm.

(ब) निम्न आय वर्गों (एल.आई.जी.) के लिए आरक्षित भूखण्डों का विवरण :-

क्र.	भूखण्ड क्र.	संख्या	रकबा प्रति भूखण्ड	कुल LIG रकबा
1.	भूखण्ड क्र. D66 से D73	8	93.65 Sqm.	749.20 Sqm.
2.	भूखण्ड क्र. E74	1	96.50 Sqm.	96.50 Sqm.
3.	भूखण्ड क्र. E75	1	95.00 Sqm.	95.00 Sqm.
4.	भूखण्ड क्र. E76	1	98.00 Sqm.	98.00 Sqm.
5.	भूखण्ड क्र. E77	1	98.00 Sqm.	98.00 Sqm.
6.	भूखण्ड क्र. E78	1	98.00 Sqm.	98.00 Sqm.
7.	भूखण्ड क्र. E79	1	99.89 Sqm.	99.89 Sqm.
8.	भूखण्ड क्र. E80	1	99.00 Sqm.	99.00 Sqm.
9.	भूखण्ड क्र. E82	1	96.33 Sqm.	96.33 Sqm.
10.	भूखण्ड क्र. E83	1	96.33 Sqm.	96.33 Sqm.
11.	भूखण्ड क्र. E84	1	96.33 Sqm.	96.33 Sqm.
12.	भूखण्ड क्र. E85	1	96.33 Sqm.	96.33 Sqm.
13.	भूखण्ड क्र. E86	1	92.34 Sqm.	92.34 Sqm.
योग		20		1911.25 Sqm.

उपरोक्त बंधक भूखण्डों को क्रय करने के पूर्व नगर निगम रायपुर द्वारा बंधक मुक्त किया जाएगा है अथवा नहीं, इसके संबंध में कानूनाईनर से बंधक मुक्त प्राप्ति प्राप्त करें तथा बंधक मुक्त नहीं होने की स्थिति में बंधक भूखण्डों को क्रय न किया जायगा।

आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर

धरो से निकलने वाले सूझा और गीला कचरा को सफाई निग (वाहन) को देवे

आर्यवृक्ष इस संबंध में आवेदिता भूमि के संबंध में जिस कि प्रकृति व्यक्तित्व अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा - आपत्तिले हो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अभिव्यक्त के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह उद्घोषणा आज दिनांक 07.01.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

अतिप्रधानी अधिकारी
दूर जिला, दफा (छ.ग.)

मुहर

इसके अलावा अमलीपदर
थाना क्षेत्र के मुडगेलमाल से देवरी
गुड़ा मार्ग पर चंचल किराना के
पास खड़ी एक ट्रैक्टर में 121
बोरा धान सँदिग्ध स्थिति में मिला
पूछे जाने पर चालक ने नामपारा
के किसान का होना बताया
कि किसान से पता करे पर उसके
पास टोकन बयान वे क्रिटल का
मौजूद था मार जितना ध्यान मिला
वह 45 क्रिटल भी नहीं था ऊरटे
बयानों में कोई बदलाव नजर आए
कोई घर से धान उठाना बता रहा
था तो कोई किराना दुकान से
जिसके चलते सँदिग्ध मानकर इस
धान को जब्ती बनाकर टोकार
के सुपुर्द किया गया अमलीपदर
था ना कि इस कार्यवाही में विशेष
रूप से प्रधान रक्षक नकुल
सोरी,आरक्षक रिजवान कुरैशी
आर हेमंत आवडे सहायक
आरक्षक दिनेश यादव का
महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुख्यमंत्री बघेल ने लिया सॉफ्टबॉल, तीरंदाजी कबड्डी, वॉलीबॉल सहित कई खेलों का आनंद

बीजापुर । मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज बीजापुर में सॉफ्टबॉल, तीरंदाजी, कबड्डी, बैडमिंटन, बॉलीबॉल सहित कई खेलों का आनंद लिया। उन्होंने यहां लोहा पहाड़ी के सौन्दर्यकरण के बाद खेल और मनोरंजन संबंधी गतिविधियों का शुभारंभ करते हुए स्थानीय बच्चों के साथ खेलों का जमकर आनंद लिया। सॉफ्टबॉल का प्रशिक्षण ले रहे बच्चों के बीच पहुंचकर उन्होंने भी हाथ आजमाया। यहां नवमी कक्षा की छात्रा रेणुका चेलक ने मुख्यमंत्री के लिए बॉल श्रो किया, जिस पर मुख्यमंत्री ने सॉफ्टबॉल स्टिक से जमकर हाथ चलाया। लगभग दस बार उन्होंने लगातार बॉल को हिट कर अपनी फिटनेस, ऊर्जा और लक्ष्य के प्रति अडिग रहने की अपनी भावना का यहां फिर से उदाहरण प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री के इस अद्भुत प्रदर्शन की सभी ने प्रशंसा की। बॉलीबॉल में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने आजमाया हाथ यहां बॉलीबॉल का प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर खेल का आनंद लेते लेते जनप्रतिनिधि और अधिकारी खुद को हाथ आजमाने से रोक नहीं सके और हाथ आजमाया।

मकान बेचना है
वृंदावनधाम कॉलोनी स/लोहारा रोड-
कवर्धा में साईं मंदिर के पास वार्ड क्रं. 01 में स्थित 6 डिसेम्बर जमीन पर 2600 वर्गफीट में मकान बना हुआ है (सर्व सुविधायुक्त, डबल मंजिल मकान) को जमीन सहित बेचना है।
संपर्क- 9451904711, 9926258695

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

स्व. राजेश जैन
जन्म : 28.10.1961 निर्वाण : 12.01.2009

आपकी प्रेरणा, स्नेह, यादें हमारे जीवन की अमूल्य धरोहर हैं।
याद आते हैं आप बहुत, सारा परिवार उदास है
पुण्यतिथि है आज आपकी, होता नहीं आभास है।
आशीर्वाद बनकर आज भी, आप हमारे पास हैं,
आपकी सीख और आदर्श, हमारे लिए सबसे खास हैं।।

श्रद्धान्वत :-
इंदिरा जैन, सिद्धार्थ जैन, एवं समस्त परिवारजन व मित्रगण, रायपुर

राजेश पब्लिसिटी
ई-109 समता कालोनी, कृष्णा टॉकियु के पास, रायपुर (छ.ग.)
मो. 94252-08899, 99263-08899

नव प्रदेश Health Online C.G.

विज्ञापन हेतु संपर्क - 0771-4035602, 99932-55740

डॉ. गुरुगोस्वामी प्राकृतिक चिकित्सालय

आनंद नगर, रायपुर (छ.ग.) (वैलनिक) मारुति आर्कड के सामने, अवंति विहार, मेन रोड, रायपुर (छ.ग.)
0771-2424078 99931-37510, 93033-77510

वासुदेव हॉस्पिटल
महादेव घाट रोड, छंमिया तालाब के पास, छंमिया, रायपुर
मों.नं.- 77228-24988

अतिश्रीष्ठ हमारे सस्थान में आपरेशन थियेटर, 50 बेड, सोनोग्राफी, इ.सी.जी. एवं एक्सरे की सुविधा प्रदान की जाएगी।

डॉ. गजाला सिद्धीकी
M.B.B.S., D.M., M.R.C.P. (LONDON), C.K. BIRLA HOSPITAL KOLKATA FORMER CONSULTANT GENERAL MEDICINE (EX. RESIDENT - JAMS, BHUBANESHWAR)
EX. REGISTRAR TATA MAIN HOSPITAL, JAMSHEDPUR
समय :- प्रातः 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक

डॉ. आशीष गोयन्का
(मेडिकल ऑफिस, कलकत्ता एवं वेद रोग विशेषज्ञ)
समय :- 09 बजे से रात्रि 08 बजे तक
वेद रोग और वेद वेद वैदिक चिकित्सा विभाग, कलकत्ता एवं रायपुर का इलाज

डॉ. श्रेया विनयदी गोयन्का
(कोल रोग विशेषज्ञ, अलुमिनियम चिकित्सा)
समय :- प्रातः 09 बजे से रात्रि 08 बजे तक
महामेघ एवं विभिन्न, भोजपुर को कोल रोग विशेषज्ञ

ECG -की सुविधा उपलब्ध है

12 जनवरी

मान. श्री भूपेश बघेल जी का भिलाई में स्वागत वंदन अभिनन्दन

लोकार्पण कार्यक्रम

- गैतम नगर: अमृत मिशन फेस - 2 के विभिन्न कार्यों का लोकपिण एवं आमसभा समय 2:30 बजे
- सेक्टर-1: उद्यान का लोकार्पण समय 4:00 बजे
- कला मंदिर, सिविक सेंटर - पट्टा वितरण एवं विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन समय 4:30 बजे
- शहीद भगत सिंह जी की प्रतिमा का अनावरण समय 5:10 बजे

#BHILAIKIBHALAI

पांच बछर भिलाई के लोगन के भलाई के

नीरज पाल, पार्षद सेक्टर 5

राष्ट्रीय युवा दिवस

12 जनवरी 2021 के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द को शत-शत नमन

स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के कार्यकाल में 12 जनवरी 1984 को हुई थी

युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतु छत्तीसगढ़ सरकार के निर्णय-

- शिक्षा के अधिकार के तहत कक्षा 9वीं से 12वीं तक निःशुल्क शिक्षा का बड़ा दायरा
- महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सहित दर्जनों महाविद्यालय व संस्थान
- 2 वर्ष या अधिक सेवा पूर्ण करने वाले शिक्षा कर्मियों का संविलियन
- छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग व विभागों से हजारों पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन
- छत्तीसगढ़ खेल विकास प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद का गठन
- राष्ट्रीय स्तर की खेल अकादमी तथा जिला स्तर पर उच्चस्तरीय खेल प्रशिक्षण की व्यवस्था
- नगरीय निकायों और पंचायतों में राजीव युवा मितान केन्द्र
- आदिवासी अंचलों में युवाओं को शासकीय नौकरी में प्राथमिकता देने विभिन्न प्रावधान
- नई उद्योग नीति में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता से रोजगार के अवसरों में वृद्धि
- स्नातक इंजीनियर बेरोजगारों के लिए ई-श्रेणी पंजीयन
- स्नातक इंजीनियर, डिप्लोमाधारी व राज मिस्त्रियों को सीमित निविदा से करोड़ों के काम
- मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना से 2 वर्षों में 46 हजार युवाओं को प्रशिक्षण
- 2 वर्षों में बेरोजगारी दर में 18 प्रतिशत से अधिक कमी
- राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, सुराजी गांव योजना से नए रोजगार

स्वामी विवेकानन्द ने जाति, धर्म, साम्प्रदायिकता के विरुद्ध मनुष्यता के उत्कर्ष का रास्ता दिखाया था। वे युवाओं को क्रांति का दूत मानते थे और कहते थे कि युवा खेलों में रम कर भी एकाग्रता हासिल कर सकते हैं।

खेलबो, जीतबो, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़

सेवा, जतन, सरोकार-छत्तीसगढ़ सरकार